केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 262 सोमवार 15 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कालरात्रि : काल से रक्षा करती है मां दुर्गा की सातवीं शक्ति...

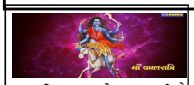

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी।।

नाम से अभिव्यक्त होता है कि मां दुर्गा की यह सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है अर्थात जिनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है। नाम से ही जाहिर है कि इनका रूप भयानक है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। अंधकारमय स्थितियों का विनाश करने वाली शक्ति हैं कालरात्रि। काल से भी रक्षा करने वाली यह शक्ति है।

इस देवी के तीन नेत्र हैं। ये तीनों ही नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल हैं। इनकी सांसों से अग्नि निकलती रहती है। ये गर्दभ की सवारी करती हैं। ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा भक्तों को वर देती है। दाहिनी ही तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है। यानी भक्तों हमेशा निडर, निर्भय रहो।

बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है। इनका रूप भले ही भयंकर हो लेकिन ये सदैव शुभ फल देने वाली मां हैं। इसीलिए ये शुभंकरी कहलाईं अर्थात् इनसे भक्तों को किसी भी प्रकार से भयभीत या आतंकित होने की कतई आवश्यकता नहीं। उनके साक्षात्कार से भक्त पुण्य का भागी बनता है।

कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्मांड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुलने लगते हैं और तमाम असुरी शक्तियां उनके नाम के उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं। इसलिए दानव, दैत्य, राक्षस और भूत–प्रेत उनके स्मरण से ही भाग जाते हैं।

ये ग्रह बाधाओं को भी दूर करती हैं और अग्नि, जल, जंतु, शत्रु और रात्रि भय दूर हो जाते हैं। इनकी कृपा से भक्त हर तरह के भय से मुक्त हो जाता है।

सामाजिक समरसता राष्ट्र की आत्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समय के साथ विदेशी आक्रांताओं ने भारत में वर्ग भेद व वैमनस्व उत्पन्न किया जिससे भारत को अपूर्णीय क्षति हुई है, समय समय पर देश के महापुरुषों ने सामाजिक समरसता, एकात्म भारतीयता हेतु अनेक यत्न किए हैं, कबीर ,तुलसी , राणा प्रताप , शिवाजी, आदि का नाम इनमे प्रमुख है । बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जन्मजयंती की पूर्व संध्या पर उक्त बातें संघ के प्रांत प्रचारक रमेश ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बस्ती के सामाजिक समरसता विभाग द्वारा कंपनी बाग बस्ती के एक मैरेज हाल में आयोजित सामाजिक समरसता गोष्ठी में अपने संबोधन में कही। उन्होने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर एक सच्चे राष्ट्र भक्त थे और सामाजिक सद्भाव से ही इस राष्ट्र की उन्नति संभव है। संघ इसी भाव से जातिपाती के भेदभाव को मिटाने व समस्त राष्ट्र में एकात्मता के भाव को स्थापित करने हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।

गोष्ठी की अध्यक्षता दीनानाथ प्रसाद ने ,विषय का प्रतिपादन संघ के प्रांत समरसता संयोजक सुभाष संचालन विभाग प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र ने किया । गोष्ठी में विभाग प्रचारक अजय नारायण,विभाग कार्यवाह आशीष जी ,विश्व हिंदू परिषद के प्रान्त मंत्री नागेन्द्र सिंह,संपर्क प्रमुख रंजीत सिंह, वीरेंद्र शुक्ल,जिला कार्यवाह श्रीराम ,सह जिला कार्यवाह गिरिजा बक्स सिंह नीरज, राजेन्द्र नाथ तिवारी , गोपेश्वर त्रिपाठी,पवन कसौधन अभय पाल ,राहुल शुक्ल, रविन्द्र गौतम, अभिनव, सुधांशु , हर्ष कसौधन, ओमप्रकाश ठाकुर, जानकी प्रसाद आदि सैकड़ों संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

नई दिल्ली (आभा)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने रविवार को अपना घोषणा–पत्र जारी कर दिया। भाजपा ने नई दिल्ली में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। इस दौरान घोषणा–पत्र समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। इस संकल्प पत्र के केंद्र में गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को रखा गया है, जिसे पीएम मोदी अपने चुनाव अभियान में चार जातियां बताते आए हैं।

भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा–पत्र संकल्प पत्र के नाम से जारी किया है। पार्टी का ये संकल्प पत्र 76 पन्नों का है, जिसमें कई वादे किए गए हैं। घोषणा–पत्र जारी करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि घोषणा–पत्र समिति को करीब 15 लाख सुझाव मिले हैं। इसमें ऑनलाइन माध्यम नमो एप से चार लाख और वीडियो से 10 लाख सुझाव मिले हैं। भाजपा के घोषणा–पत्र में पेपर–लीक पर लगाम लगाने के लिए कानून लाया जाएगा। भाजपा ने कहा कि हमने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है। अब, हम इस कानून को सख्ती से लागू करके, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा देंगे।

भाजपा ने कहा कि उसकी सरकार ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं का पारदर्शी आयोजन कर लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों में भर्ती किया है। हम आगे भी सरकारी भर्तियां समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से करते रहेंगे। हम सरकारी परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए इच्छुक प्रदेश सरकारों को भी सहयोग देंगे।

किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की है। पीएम फसल बीमा योजना में मजबूती लाई जाएगी।

रालोद ने किया बाबा साहब को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ताओं ने अनुसूचित प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद के संयोजन में न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धाभाव से याद किया।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि जब तक समाज में विषमता, गरीबी, छूआछूत है बाबा साहब सदैव प्रासंगिक बने रहेंगें। बाबा साहब ने शिक्षित बनो, संघर्ष करो का जो नारा दिया था उसे आत्मसात कर आगे बढना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा। अनुसूचित प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि बाबा साहब ने देश के गरीबों, दलितों, वंचितों को बताया कि उनके अधिकार क्या है।

जयन्ती पर बाबा साहब को नमन् करने वालों में शिव कुमार गौतम, श्रीराम मौर्य, गोरखनाथ चौधरी, शम्भू गोपाल चौधरी, राकेश चौधरी, ओंकार चौधरी, आर.एन. पटेल, विवेक श्रीवास्तव, दिनेश के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

बाबा साहब सदैव प्रासंगिक रहेंगे: गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के संयोजन में भारत रत्न बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर उन्हें याद किया गया। मड़वानगर स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद आयोजित गोष्ठी में मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि बाबा साहब आजीवन छूआछूत, भेदभाव के विरोध में लडे और दबे कुचले समाज को शिक्षित बनो, संघर्ष करो का मंत्र दिया। जब तक समाज में विषमता, भेदभाव है बाबा साहब सदैव प्रासंगिक रहेंगे। मानवता ही उनके लिए सबसे बड़ा धर्म था। समाज के लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। मजदूरों और किसानों के लिए उनकी सोच हमेशा सकारात्मक रहेगी।

सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रिका प्रसाद, हृदय गौतम, चन्द्र प्रकाश गौतम, प्रदीप चौधरी, दिनेश चौधरी आदि ने बाबा साहब को नमन् करते हुये कहा कि वे एक विश्व स्तरीय वकील, समाज सुधारक थे, जिन्होंने आजादी के बाद देश को सही दिशा में आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया था। साल 1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद, बी.आर. अंबेडकर देश के पहले कानून मंत्री बने थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान के लिए विभिन्न कानूनों और सुधारों का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

गोष्ठी के बाद भारत मुक्ति मोर्चा पदाधिकारियों ने हर्रैया में आयोजित विभिन्न शोभा यात्रा और अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रमों में कैलाशनाथ, आर.पी. आजाद, आर.पी. कन्नौजिया, बुद्धेश राना, पंचलाल, सशाग्रसेन मेंधाकर, दुर्गेश कुमार के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

आरटीओ के जालसाजों ने महेन्द्र को बना दिया 5 डबल डेकर स्लीपर बस का मालिक

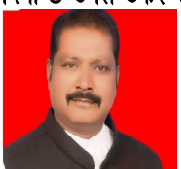

-चुनाव कार्य के लिये महेन्द्र कैसे पहुंचाये बस, प्रशासन से किया न्याय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिसके पास वाहन ही नहीं है उनसे जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनाव कार्य हेतु वाहन मांगे गये हैं। पत्र पहुंचने के बाद कटरा मूडघाट निवासी महेन्द्र श्रीवास्तव को जानकारी मिली के उनके नाम से 5 डबल डेकर स्लीपर बस चल रही है और वे उसके वाहन स्वामी भी है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि 5 डबल डेकर स्लीपर बसों के सम्बन्ध में जानकारी मिलने पर उन्होने ए.आर.टी.ओ. प्रशासन और पुलिस अधीक्षक को मामले की लिखित जानकारी दिया और सवाल भी पूंछा कि आखिर 5 डबल डेकर स्लीपर बस का असली मालिक कौन है और विभाग में उनके नाम से वाहन पंजीकृत कैसे हो गये।

कटरा मूडघाट निवासी महेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जालसाजों ने षड़यंत्र कर आर.टी.ओ. कार्यालय में उनके नाम से 5 डबल डेकर स्लीपर बस यूपी 51 ए.टी. 7660, यूपी 51 ए.टी. 7661, यूपी 51 ए.टी. 6641, यूपी 51 ए.टी. 7061, यूपी 51 ए.टी. 7370,पंजीकृत करा दिया। विभाग से कोई जानकारी भी नहीं दी जा रही है। उनका कहना है कि जिस वाहन के वे स्वामी ही नहीं है उसे वे चुनाव कार्य के लिये कैसे पहुंचा दें। उन्होने प्रशासन से मांग किया है कि असली वाहन मालिक की खोजकर सही पते पर पत्र देने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। आर.टी.ओ. कार्यालय में दलालों की मदद से आये दिन इस प्रकार के कार्य हो रहे हैं और विभाग अपनी चूक पर जबाब देने तक को तैयार नहीं है।

जयन्ती पर याद किये गये बाबा साहब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारत रत्न डा० भीम राव अम्बेडकर जी का 134वॉ जयन्ती आयुक्त सभागार में मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मण्डलायुक्त ने डा० भीम राव अम्बेडकर के जयन्ती पर उनके आदर्शों एवं विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि डा० भीमराव अम्बेडकर ने सर्व समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए सबको सम्मान और व न्याय दिलाने का कार्य किया जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त पदमकान्त शुक्ल, प्रशासनिक अधिकारी संतोष पाण्डेय,न्याय सहायक रमेश चन्द्र कन्नौजिया ,नाजिर अनुपम चौधरी ,अमित उपाध्याय, शलभ श्रीवास्तव, आलोक सिंह, संदीप यादव, पवन यादव, संजय कुमार आदि कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी एस अपर जिलाधिकारी कमलेश चंद्र, सीआरओ संजीव ओझा उप जिलाधिकारी रामकृष्ण चौधरी व कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों द्वारा अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी एस ने बाबा साहेब के जीवन परिचय पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा भारतीय संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने जाति, धर्म, वर्ग से ऊपर उठकर समानता के साथ सामाजिक उत्थान के जो कार्य किए हैं उन्हें पीढ़ियां याद रखेंगे। उनका कहना था कि न्याय बंधुता, समता और स्वतंत्र समाज ही मेरे आदर्श है। बाबा साहब सभी के लिए आदर्श थे उनके कार्यों को जन–जन तक पहुंचाएं जिससे समाज को एक नई दिशा और दशा मिल सके। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिवार के अधिकारियों व कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि राज्य की सेवा में हमें जो दायित्व सौंपा गया है उनका पूर्ण निष्ठा ईमानदारी एवं समय से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आपके पास अपनी फरियाद समस्या लेकर आने वाले लोगों की समस्या को प्रथम प्राथमिकता पर सुनकर उनका गुणवत्ता परक निस्तारण करें। अपने कार्य को सेवा भाव के रूम में लेकर अपने कर्म, वचन, व्यवहार से एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें।

अपर जिलाधिकारी कमलेश चंद्र ने बाबा साहेब द्वारा दलित शोषित पिछड़ों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब ने समाज सुधार के लिए जो अवधारणा परिकल्पनाए एवं अनुच्छेद दिए गए हैं उससे समाज में समानता का अधिकार लोगों को मिला है। उन्होंने कहा कि मानव की मानव से जो समानता की परिकल्पना बाबा साहेब ने की थी वह साकार हो रही है यह संविधान की देन है कि उस में दिए गए अधिकारों से हमें समानता मिली है।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के सूर्य लाल, जितेंद्र श्रीवास्तव, सांख्यिकी अधिकारी अजय चौधरी, राजेश रंजन, रंगीलाल, बृजेश श्रीवास्तव, नाजिर जितेंद्र श्रीवास्तव, ओम प्रकाश मिश्रा, अभिनव ओझा, धनंजय सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा के संकल्प पत्र में 'महंगाई' और 'बेरोजगारी' दो शब्द गायब–राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भाजपा के मेनिफेस्टो और नरेंद्र मोदी के भाषण से दो शब्द गायब हैं– महंगाई और बेरोजगारी। लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती। इण्डिया का प्लान बिलकुल स्पष्ट है– 30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को 1 लाख की पक्की नौकरी। युवा इस बार मोदी के झांसे में नहीं आने वाला, अब वो कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में 'रोजगार क्रांति' लाएगा।

भाजपा ने बूथों पर किया बाबा साहब को नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती जिले के प्रत्येक बूथों पर मनाई। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं, चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं बाल्मीकि बस्तियों में कार्यक्रम आयोजित कर अनुसूचित जाति के वरिष्ठ नागरिकों एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। भाजपा नेता अमृत कुमार वर्मा ने बताया की समरसता दिवस के अंतर्गत डॉ. अंबेडकर की जयंती पर आयोजित परिचर्चा एवं व्याख्यानों में बाबा साहेब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। वहीं, केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्यों की भी चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, सांसद हरीश द्विवेदी, विधायक अजय सिंह, लोकसभा प्रभारी सेतभान राय, केडी चौधरी, अंकुर वर्मा ने बस्ती में अलग अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिले में संपन्न कार्यक्रमों में पार्टी के पदाधिकारी, सांसद, विधायक सहित कार्यकर्ताओं की प्रमुख रूप से भागीदारी रही। बस्ती के सभी 26 मंडलों के 2151 बूथों पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने समाज के गरीब व शोषित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

बसपा नेताओं ने किया बाबा साहब को नमन: लोकसभा चुनाव में एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय संविधान के निर्माता एवं समाज के दलितों, उपेक्षित वर्ग को राह दिखाने वाले बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनकी 133 वीं जयन्ती पर बहुजन समाज पार्टी द्वारा याद किया गया। जनपद के सभी नगर पंचायत, नगर पालिका एवं न्याय पंचायत स्तर पर सैकड़ों जगह पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम कर बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन् किया। पटेल चौक के निकट स्थित एक रेस्टोरेन्ट के हाल में बसपा जिलाध्यक्ष के जयहिन्द गौतम ने संयोजन में गोष्ठी आयोजित किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबू ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम बाबा साहब के संकल्पों को साकार करने के लिये एक जुट हो, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हम सबको लोकसभा के चुनाव में पूरी ताकत से जुट जाना होगा।

बाबा साहब के जयन्ती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में लोकसभा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र, उदयभान, डा. आलोक रंजन वर्मा, ओम प्रकाश गौतम, नायब चौधरी, के.पी. राठौर, रामचेत निराला, राना अम्बेडकर, जे.पी. गौतम, आदि ने सम्बोधित करते हुये बाबा साहब के जीवन वृत्त पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहब ने जो रास्ता दिखाया है उस पर आगे बढना होगा तभी गरीबों, वंचितों के जीवन में बदलाव आयेगा। लोकसभा के चुनाव में ऐतिहासिक जीत से बाबा साहब के संकल्प और बहन मायावती का लक्ष्य पूरा होगा।

बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने बताया कि बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर नगर पालिका परिषद स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही नगर पंचायत बनकटी, गायघाट, नगर, मुण्डेरवा, बस्ती सदर, कप्तानगंज, हर्रैया, बभनान, रूधौली, के साथ ही अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में प्रेम सागर, प्रमोद कुमार, आर.डी. प्रेमी, दीपलाल, के.पी. राठौर, सुरेन्द्र कुमार, के.सी. मौर्य, राजू राव, देशराज, नायब चौधरी, शैलेन्द्र गौतम, उमाशंकर, अनूप कुमार, गुरूदेव निगम, पवन कुमार गौतम, प्रदीप कुमार गौतम, सुभाष चौधरी, सतीश चौधरी, राम नेवास गौतम, अब्दुल सलाम खान, महेश चन्द्रबंशी, नवमी प्रसाद, भवानीभीख, सनोज कन्नौजिया, दीपक कुमार, अर्चना, दीपमाला, कुसुम, आरती के साथ ही बसपा के अनेक कार्यकर्ता पदाधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों में मौजूद रहे।

समाजवादियों ने किया बाबा साहब के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व, योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बाबा साहब को नमन् करते हुये कहा कि बाबा साहब हमेशा लोगों को साथ लेकर चले, इसीलिए उनका व्यक्तित्व इतना बड़ा बन सका। उनका मानना था कि व्यक्ति की तरक्की में सभी का साथ होता है, इसलिए उसे लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि बाबा साहब खुद की क्षमताओं पर यकीन रखते थे, उनका मानना था कि अगर व्यक्ति को खुद पर भरोसा है तो वो बड़े से बड़ा काम भी आसानी से कर सकता है। उन्होने कठिन परिवेश में समाज निर्माण के दायित्वों को बखूबी निभाया। नयी पीढी को बाबा साहेब से प्रेरणा लेना चाहिये।

–नयी पीढी बाबा साहेब के संघर्षो से प्रेरणा लें– महेन्द्रनाथ यादव

सपा विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, रामशंकर निराला, गीता भारती, आर.डी. निषाद आदि ने कहा कि बाबा साहब का बचपन काफी संघर्ष भरा था, लेकिन उन्होंने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया और अपनी शिक्षा को पूरा किया। ये बाबा साहब की काबिलियत ही थी कि उन्होंने 32 डिग्रियां हासिल की, इतना ही नहीं डॉक्टरेट की डिग्री उन्होंने विदेश से ली, इसके बाद दलितों के उत्थान के लिए काम करना शुरू किया। उन्होने भारत के संविधान निर्माण का श्रेय है। उनका व्यक्तित्व विरोट है, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामशंकर निराला, शकुन्तला चौरसिया, गुलाम गौस, हृदयराम यादव, युनूस आलम खान, अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, रजनीश यादव, मो. हारिश, अखिलेश यादव, विपिन त्रिपाठी, रहमान सिद्दीकी, अजय यादव, संजय गौतम, जोखूलाल यादव, चीनी चौधरी, पन्नालाल यादव, पवन कुमार मोदनवाल, दिनेश तिवारी, विशाल सोनकर, राहुल सोनकर, गाजी आलम, रोमी, हनुमान गौड़, मो. सलीम, विनय यादव 'भोला, दीपक आर्य के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 15 अप्रैल 2024 सोमवार

सम्पादकीय

भाजपा का संकल्प पत्र

भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में विकास की 14 गारंटी दी गई है। सभी को पक्का घर और स्वास्थ्य बीमा की बात कही गई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का भी दावा किया गया है। निवेश और नौकरी पर भी पार्टी का पूरा ध्यान है। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए घोषणापत्र जारी किया। बता दें, पार्टी ने अपने मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में घोषणापत्र जारी किया है, जिसका पूरा फोकस 2047 तक भारत को विकसित बनाने पर है। घोषणापत्र जारी होने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जारी किया गया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों को सशक्त करने के अलावा सम्मानजनक व गुणवत्तापूर्ण जीवन और निवेश से नौकरी पर केंद्रित है।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र को 'मोदी की गारंटी' नाम दिया है। पार्टी ने इसमें युवाओं, महिलाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों पर अपना फोकस रखा। भाजपा ने देश के लोगों से फ्री बिजली से लेकर 5 साल तक मुफ्त राशन की व्यवस्था जारी रखने का वादा किया है। इसी के साथ संकल्प पत्र में 3 करोड़ नए घर बनाने का भी वादा है। पीएम सूर्यघर बिजली योजना को लॉन्च कर लोगों को ज्यादा बिजली बनाकर पैसे कमाने का भी अवसर दिया जाएगा। मुद्रा युजना की सीमा अब 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है। संकल्प पत्र में भाजपा ने वादा किया है कि वो जल्द देश में यूसीसी लागू करेंगे। भाजपा ने वरिष्ठ नागरिकों से भी एक खास वादा किया है। पीएम मोदी ने कहा कि अब आयुष्मान योजना के दायरे में 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को लाया जाएगा। आयुष्मान योजना के दायरे में अब ट्रांसडजेंडर भी आएंगे। संकल्प पत्र में वादा किया गया है कि दिव्यांगों को पीएम आवास योजना में प्राथमिकता दी जाएगी। संकल्प पत्र जारी करते हुए पीएम मोदी ने दो बड़ी बातें भी कही। पीएम ने कहा कि हम देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने पर कदम बढ़ाएंगे और आगे भी भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे।

पार्टी ने कहा कि उसने पहले 1 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए सशक्त बनाया। अब वो तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए सशक्त बनाएंगे। संकल्प पत्र में कहा गया कि महिलाओं के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करते हुए एनीमिया, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम और कमी पर केंद्रित मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए एक केंद्रित पहल शुरू की जाएगी। भाजपा ने कहा कि हमने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू किया है। हम संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए इसे व्यवस्थित रूप से लागू करेंगे। पेपर लीक रोकने के लिए कानून लागू लाया जाएगा। पार्टी ने कहा कि देश भर में भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार रोकने के लिए एक सख्त कानून बनाया गया है। अब युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए इस कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा।

संकल्प पत्र में कहा गया है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता किसानों को दी जा रही है और भाजपा उसे आगे भी जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टी ने कहा कि वो कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर और सिंचाई सुविधाओं को और बहतर बनाने के लिए कदम उठाएगी। इसके लिए कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन शुरू किया जाएगा। संकल्प पत्र में समय–समय पर डैच में वृद्धि की भी बात कही गई है। पीएम मोदी ने कहा, 'अब तो कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी. आग देश में नहीं, बल्कि आग और जलन उनके दिलों में लगी है. ये जलन उनके दिल और दिमाग में ऐसे भरी पड़ी है कि वो उनको अंदर से जला रही है. ये लोग 10 साल से सत्ता से बाहर हैं. 10 साल में ऐसे छटपटा रहे हैं कि जैसे उनका और उनकी भावी पीढ़ियों का सबकुछ लूट गया हो. कांग्रेस वाले अगर यही कारनामें करते रहेंगे और उनका तौर–तरीका यही रहेगा, तो ये जलन उनको इतना जला देगी कि देश उनको आगे कभी मौका नहीं देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित करने का सौभाग्य भी भाजपा सरकार को मिला है. आजादी के बाद अनेक दशक तक कांग्रेस के एक ही परिवार ने सीधे या रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाई है. इसी परिवार ने देश में आपातकाल लगाया था. कांग्रेस देशभर में लोकतांत्रिक सरकारों को जब मर्जी आई, तब गिरा देती थी. कांग्रेस ने अपने हिसाब से तोड़ा–मरोड़ा और लिखवाया. इन्होंने खुद का ही महिमामंडन करवाया. कांग्रेस की मानें तो तब लोकतंत्र ठीक चल रहा था, फल–फूल रहा था. लेकिन जैसे ही गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बना तो कांग्रेस अफवाह फैलाने लगी कि संविधान और लोकतंत्र खतरे में आ गया। पीएम मोदी ने कहा कि हमने बाबा साहेब को सिर्फ विचारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि आधुनिक भारत में उनके योगदान को नई पहचान दी है। कांग्रेस ने आदिवासी समाज के योगदान को कभी भी स्वीकार नहीं किया। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि देश की जनता भाजपा के घोषणा पत्र पर कितना भरोसा करती है।

चुनाव में हाशिये पर जमीनी मुद्दे

–ललित गर्ग–

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश–विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा–सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन–वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे–अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति–सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है।

देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब–शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन–आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है।

भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले–बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं– "जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई"। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें।

राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल–पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म–किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकर्ताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें। जबकि विपक्षी दलों की सारी की सारी कवायद में एक अनर्थ सच्चाई के ही दर्शन हुए क्योंकि जैसे केवल चेहरे बदलने से दामन के दाग नहीं धुल जाते, वैसे ही कुछ युवा चेहरों को सामने खड़ा करने से क्रांतिकारी सोच पैदा नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार के मुद्दे को व्यक्तिगत आरोपों की झड़ी लगाकर पृष्ठभूमि में डालने की कोशिश की जा रही है।

कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत–विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। हमें अतीत की भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना। वर्तमान के हाथों में जीवन की संपूर्ण जिम्मेदारियां थमी हुई हैं। हो सकता है कि हम परिस्थितियों को न बदल सकें पर उनके प्रति अपना रूख बदलकर नया रास्ता तो अवश्य खोज सकते हैं। आने वाले नये राजनीतिक नेतृत्व का सबसे बड़ा संकल्प यही हो कि राष्ट्रहित में स्वार्थों से ऊपर उठकर काम करेंगे। राष्ट्र सर्वोपरि है और राष्ट्र सर्वोपरि रहेगा। व्यक्ति का क्या मूल और क्या विसात। विरोध नीतिगत होना चाहिए व्यक्तिगत नहीं। एक उन्नत एवं विकासशील भारत का निर्माण करने के लिये हमें व्यक्ति नहीं, मूल्यों एवं सिद्धान्तों को शक्तिशाली बनाना होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

चुनावी घोषणायें और राजनीति

–हरि जयसिंह–

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी जिस खराब स्थिति में है, उसे देखते हुए, अगर वह किसी तरह चुनाव जीतने में सफल हो जाती है, तो क्या वह अपने घोषणापत्र के वायदों को पूरा कर पाएगी? 'न्याय पत्र' घोषणापत्र, एक 48 पेज का दस्तावेज है जो युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और समानता से संबंधित 5 स्तंभों पर केंद्रित है और इन क्षेत्रों के तहत 25 वायदे शामिल हैं। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि देश भर के लोगों के इनपुट ने घोषणा पत्र को आकार दिया है और कांग्रेस पार्टी ने इसे अकेले नहीं बनाया है। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के प्रभाव का मुकाबला करते हुए भारत के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है।

घोषणा पत्र में महिलाओं, किसानों और युवाओं सहित विभिन्न समूहों के लिए बेरोजगारी, आर्थिक विकास और न्याय को संबोधित करने और संविधान की रक्षा करने का वायदा किया गया है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप न करने और फर्जी समाचार जैसे मुद्दों से निपटने का वायदा करता है। कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना कराने और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वायदा करते हुए सकारात्मक कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करने का भी वायदा किया। इसके अतिरिक्त, यह किसानों के लिए एम.एस.पी., स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा में सुधार और विदेश नीति में बदलाव का वायदा करता है। इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करना कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष रूप से कठिन होगा, क्योंकि हाल के वर्षों में ज्योतिरादित्य सिंधिया और अमरेंद्र सिंह सहित कई प्रमुख राजनेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा, पार्टी काफी समय से स्पष्ट दिशा की कमी से जूझ रही है।

अब, आइए उन व्यक्तियों के दृष्टिकोण पर विचार करें जिन्होंने देश के आर्थिक और राजनीतिक विकास को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। लेखक और प्रॉक्टर एंड गैंबल के पूर्व सी.ई.ओ. गुरचरण दास भारतीय राजनीति की जटिलताओं और आर्थिक सुधारों को लागू करने के महत्व पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर विचार करते हुए, दास ने हाल ही में 'द इकोनॉमिस्ट' पत्रिका के साथ अपनी यात्रा सांझा की। बड़े होते हुए, उन्होंने अति–विनियमित अर्थव्यवस्था और कठोर सरकारी नियमों के साथ देश के संघर्ष को देखा, जैसे फ्लू महामारी के दौरान जब उनकी कंपनी को उच्च मांग को पूरा करने के लिए सजा का सामना करना पड़ा। अनुभव ने उन्हें शास्त्रीय उदारवाद अपनाने के लिए प्रेरित किया।

फिर 1991 में भारत में आर्थिक सुधार हुए, जिससे नई स्वतंत्रता और पहचान की राजनीति और अधिनायकवाद जैसी राजनीतिक चुनौतियां आईं। उनकी तरह कई विचारशील व्यक्ति 2 प्रमुख पाध्टयों –कांग्रेस, जिसमें नए विचारों का अभाव था और भाजपा, जिसमें धार्मिक और सत्तावादी प्रवृत्ति थी, के बीच बंट गए। यह कहानी भारतीय राजनीति की जटिलताओं और विकास और बेरोजगारी को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आध्थक सुधारों को लागू करने के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर करती है। चलिए बेरोजगारी का मुद्दा लेते हैं। विश्व बैंक में दक्षिण एशियाई मुख्य अर्थशास्त्री फ्रांजिस्का ओहनसोरगे के अनुसार, सुधारों के बिना इसे हासिल करना आसान नहीं हो सकता है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट, 'जॉब्स फॉर रेजिलिएंस', समान देशों की तुलना में भारत की कमजोर रोजगार वृद्धि पर प्रकाश डालती है।

2000 और 2022 के बीच, भारत ने अपने रोजगार अनुपात में महत्वपूर्ण गिरावट का अनुभव किया। कुल मिलाकर वर्ष 2000 से 2023 तक, भारत की नौकरी वृद्धि इसकी कार्य–आयु जनसंख्या वृद्धि के साथ तालमेल रखने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप रोजगार अनुपात कम हो गया। ओहनसोरगे इसे एक 'खोया हुआ अवसर' मानते हैं, जिसका अर्थ है कि भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरी तरह से उपयोग नहीं कर रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव के नतीजे चाहे जो भी हों, आध्थक विकास में सुधार और बेरोजगारी कम करना चुनौतीपूर्ण होगा। भाजपा ने अपनी आजादी के सौ साल पूरे होने पर 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने के लिए इसे कई प्रमुख मुद्दों का सामना करना होगा।

सबसे पहले, गरीबी एक उल्लेखनीय बाधा के रूप में बनी हुई है, जिसमें बहुत से लोग प्रति दिन 2 अमरीकी डालर से भी कम पर गुजारा करते हैं। हालांकि प्रगति हुई है, लक्ष्य गरीबी को और कम करना और महामारी के प्रतिकूल प्रभावों को दूर करना होना चाहिए। प्यू रिसर्च सैंटर के अनुसार, महामारी से प्रेरित आर्थिक मंदी के परिणामस्वरूप 2022 में लगभग 75 मिलियन से अधिक भारतीय गरीबी में चले गए, जो 2020 में गरीबी में वैश्विक वृद्धि का लगभग 60 प्रतिशत है। दूसरा, कौशल विकास भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। बड़ी युवा आबादी के साथ, शिक्षा और कौशल विकास में निवेश करना आवश्यक है।

तीसरा, जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चिंता का विषय है जो जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में संक्रमण के लिए पर्याप्त प्रयासों की मांग करता है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पुष्टि की है कि व्यक्तियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षा का अधिकार है। यह निर्णय आगामी सरकारी नीतियों के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है, जो जलवायु परिवर्तन, समाज और पर्यावरण पर इसके हानिकारक प्रभावों से निपटने के लिए सक्रिय पहल के महत्व पर जोर देता है। भारत पिछले कुछ दशकों में कुछ कठिन दौर से गुजरा है। यह देखना निराशाजनक है कि विभिन्न सरकारों ने राष्ट्रीय स्तर और राज्यों में अपने मामलों को कितने खराब तरीके से प्रबंधित किया है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, देश एक झंडे, एक संविधान और सांझा भावनाओं के तहत एक साथ रहा है। यही आंतरिक शक्ति देश को आगे बढने में मदद करती है। हाल के वर्षों में राष्ट्रवाद के नए प्रतीक उभरे हैं, जो अक्सर धार्मिक पहचान पर केंद्रित होते हैं। हालांकि, इन प्रवृत्तियों के बीच डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और डा. आर. चिदंबरम जैसे चमकदार उदाहरण हैं, जो योग्यता, नवाचार और राष्ट्रीय प्रगति पर केंद्रित राष्ट्रवाद का प्रतीक हैं। वे एक ऐसे राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करते हैं जो जाति, धर्म और समुदाय से परे है। उन्होंने दिखाया है कि भारत एक विकासशील समाज है जो अपनी ताकत पर भरोसा करता है। ये समावेशी और दूरदर्शी आदर्श हमें भविष्य की ओर देखते हुए अधिक एकजुट और समृद्ध भारत की ओर मार्गदर्शन करेंगे।

अरब दुनिया में बढ़ता तनाव

अरब दुनिया में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। इजरायल तो पहले से ही आक्रामकता की सीमाएं लांघता आ रहा है और अब उसके मुकाबले में ईरान ने भी उतनी ही आक्रामक मुद्रा अख्तियार कर ली है। विशेषज्ञों की मानें, तो ईरान किसी भी वक्त इजरायल के किसी ठिकाने को निशाना बना सकता है। इधर इजरायल भी जवाब देने के लिए पूरी तरह चौकस मुद्रा में है। ईरान और इजरायल के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया है कि एक दिन के अंदर ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तुर्किये, चीन और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों से बात की है। अमेरिकी विदेश मंत्री यह समझाने की कोशिश में लगे हैं कि मध्य–पूर्व में तनाव में वृद्धि किसी के हित में नहीं है। यहां यह कहना जरूरी है कि अमेरिका कमजोर दिख रहा है, उसका ईरान के साथ वर्षों से तनाव है और वह सीधे ईरान को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं है, तो वह उन देशों के नेताओं की मदद ले रहा है, जो ईरान पर खासा प्रभाव रखते हैं।

यहां अमेरिका को जरूर सोचना चाहिए कि आखिर यह नौबत क्यों आई? इजरायल की स्वतंत्रता अपनी जगह है, लेकिन उसकी बेलगाम आक्रामकता का बचाव कैसे किया जा सकता है? गाजा को तबाह करने के बावजूद इजरायल संघर्ष विराम के लिए तैयार नहीं है। फलस्तीन पर बम बरसाते छह महीने से ज्यादा वक्त बीत गया। सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी भले ही उसने न ली हो, पर ईरान के संदेह को दूर करने के लिए भी उसने कुछ खास नहीं किया है। ईरान 1 अप्रैल को दमिश्क में अपने वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के लिए इजरायल को लगातार दोषी ठहरा रहा है, जिसमें 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के वरिष्ठ सदस्य मारे गए थे। ईरान पर दबाव है कि वह अपने लोगों की मौत का बदला ले और अगर ऐसा होता है, तो अरब दुनिया में एक नया युद्ध छिड़ जाएगा या युद्ध का विस्तार हो जाएगा। यह दुनिया के लिए एक बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इजरायल भी गाजा के अलावा अन्य जगहों पर भी जंग के लिए तैयार है और उससे भी दुखद यह कि अमेरिका किसी भी सूरत में इजरायल की सुरक्षा से समझौता करने को तैयार नहीं होगा। यह भी चिंता बढ़ाने वाली बात है कि अमेरिका ने इजरायल में अपने नागरिकों को सावधान रहने के लिए कहा है।

किसी नए मोर्चे पर अगर युद्ध भड़कता है, तो उसका व्यापक असर होगा। मिसाल के लिए, इजरायली सरकार ने घोषणा की है कि श्रमिकों की कमी से निपटने और देश के निर्माण उद्योग की सहायता के लिए 6,000 से अधिक भारतीय श्रमिक अप्रैल–मई के बीच इजरायल आएंगे। मतलब, युद्ध के भड़कने से भारतीयों की चिंता में भी इजाफा होगा। रूस–यूक्रेन युद्ध में भी भारतीयों को अनावश्यक रूप से तनाव का सामना करना पड़ा है। युद्ध और युद्ध क्षेत्र से भारत का न्यूनतम संबंध रहे, तो ही अच्छा। भारत अक्सर आक्रामक देशों को समझाता रहा है कि युद्ध किसी के हित में नहीं है, पर जाहिर है, दुनिया के अनेक देशों के लिए अमन–चौन के खास मायने नहीं हैं। जहां इजरायल की तारीफ संभव नहीं, वहीं ईरान की भी प्रशंसा नहीं हो सकती। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे निर्मम–खूंखार आतंकी संगठनों के पक्ष में ईरान का होना बहुत दुखद और शर्मनाक है। सभ्य दुनिया में अपनी मांग रखने और उसके लिए संघर्ष करने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं, इसलिए सीधे आतंकवादियों की मदद की अमानवीय परिपाटी उन सभी देशों को छोड़नी पडेघ्गी, जो दुनिया में वाकई अमन–चौन चाहते हैं। –प्रस्तुति विजय

मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मतलब विकसित भारत की गारंटी -केशव मौर्य

संवाददाता-महराजगंज। भाजपा के सोशल मीडिया वालेंटियर्स सम्मेलन मे रविवार को पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। कहा कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मतलब विकसित भारत की गारंटी है। इस बार विपक्षी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाएगी। डिप्टी सीएम जिला मुख्यालय के रिजार्ट में भाजपा के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

केशव मौर्य ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे उस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के 11वें नंबर पर थी। आज भारत विश्व की पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। तीसरी बार जब मोदी पीएम बनेंगे तो यही भारत दुनिया में तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की गारंटी होगी। तीसरी बार मोदी के पीएम बनने का मतलब विकसित भारत की गारंटी है। उन्होंने कहा कि इस बार 400 पार के मिशन में महराजगंज लोकसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान होगा। भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी मजबूती के साथ लोकसभा पहुंचेंगे। बुद्ध की धरती से एक संदेश जाना चाहिए। एक समय लोकसभा से राजीव गांधी ने खुद बोला था कि सरकार दिल्ली से एक रुपये भेजती है तो जनता तक मात्र 15 पैसे पहुंचते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से 34 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में भेज दिया, जिसका एक भी पैसा कम नहीं हुआ।

गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने सोशल मीडिया वॉलेंटियर्स का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक को देश के विकास में भागीदार बनने का अवसर मिल रहा है। प्रतिदिन सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर सरकार के पक्ष में सिर्फ पांच पोस्ट करना है। सरकार की उपलब्धियों व विपक्ष की नाकामियों को जन-जन तक पहुंचाकर विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकता है। सम्मेलन को केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, क्लस्टर हेड जय प्रकाश निषाद, छट्ठे लाल निगम, राम जियावन मौर्य, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, पूर्व विधायक शिवेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, प्रभाकर द्विवेदी, अनिल जोशी, ओमप्रकाश पटेल, अमरनाथ पटेल, संजय सिंह, विनोद गुप्ता उपस्थित रहे।

सपा ने रमाशंकर राजभर को सलेमपुर से उतारा

संवाददाता-देवरिया। सलेमपुर से सपा ने पूर्व सांसद रमाशंकर राजभर को लोकसभा के लिए टिकट देकर मैदान में उतारा है। उनकी पहचान जुझारू नेता की रही है। रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले रमाशंकर ने राजनीति की शुरुआत वहीं से की। कई चुनाव भी लड़े, लेकिन सफल नहीं हुए। सफलता 2009 में सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में मिली, जब बसपा के टिकट पर वह सांसद बने। रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के शिवपुर गांव के रहने वाले रमाशंकर राजभर ने छात्र जीवन से ही राजनीति शुरू कर दी। रमाशंकर विद्यार्थी के रूप में उनकी पहचान बनती गयी। जनता दल के टिकट पर पहली बार 1991 में रुद्रपुर से चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। 1993 में जनता दल, 1996 में बसपा से लड़े। 2002 में बसपा से टिकट न मिलने पर बड़ी होकर निर्दल चुनाव लड़े। हालांकि बाद में फिर बसपा में शामिल हो गए। 2004 में बसपा ने उन्हें सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बना दिया। उसके रमाशंकर राजभर ने अपना कार्यक्षेत्र सलेमपुर को ही बना लिया। उनकी मेहनत रंग लाई और 2009 के लोकसभा चुनाव में वह सलेमपुर से लोकसभा का चुनाव जीतने में सफल रहे। 2014 में बसपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसके चलते चुनाव नहीं लड़े। बाद में वह सपा के शामिल हो गए तथा राष्ट्रीय महासचिव भी रहे। 2019 में यह सीट गठबंधन के तहत बसपा के खाते में चली गयी थी, जिसके चलते सपा ने प्रत्याशी नहीं दिया था। इस बार सपा ने रमाशंकर राजभर को प्रत्याशी बनाया है। जानकारों की माने तो सपा ने रमाशंकर के जातीय समीकरणों को मजबूत करने की कोशिश की है।

नवरात्र के छठे दिन भक्तों की देवी मंदिरों पर उमड़ी आस्था

संवाददाता-बलरामपुर। चैत्र नवरात्र के छे दिन रविवार को मां कात्यायनी की भक्तों ने पूजा-अर्चना की। लोगों ने व्रत रखकर माता से अपने व परिवार की सलामती के लिए प्रार्थना की। भोर पहर से ही श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचना शुरू कर दिया। मंदिरों में छठे दिन भक्तों की भीड़ में इजाफा देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता का दर्शन किया। जिले के देवी मंदिरों में आस्था का जनसैलाब उमड़ता दिखाई पड़ा। शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पर सुबह चार बजे से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी कतारें लग गई थीं। तमाम श्रद्धालु मंदिर परिसर में बने सूर्यकुंड में स्नान कर देवी का दर्शन किया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में श्रद्धालु यहां पर पहुंचकर शक्ति की आराधना की। इसी तरह से तुलसीपुर रोड पर स्थित बिजलेश्वरी देवी मंदिर पर भी श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। बिजलेश्वरी देवी मंदिर भक्तों के अगाध श्रद्धा व विश्वास का केन्द्र है। यहां पर प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पर दर्शन करने के बाद अधिकतर श्रद्धालु बिजलेश्वरी देवी का दर्शन करना जरूर आते हैं। इसी तरह से झारखंडी मंदिर, रहिया देवी मंदिर, काली थान, भगवतीगंज स्थित मंदिर सहित जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित दुर्गा मंदिरों का माहौल भक्तिमय रहा।

प्राचीन मंदिर पिपरा में कोटाही माता का अति प्राचीन स्थान है। यहां वासंतिक व शारदीय नवरात्र में आसपास के लोग ही नहीं गौरा चौराहा, जैतापुर, भोजपुर सहित दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लोगों का मानना है कि यहां की कोटही माता लोगों के पाप का नाश करती हैं और उनकी मुरादें पूरी करती हैं। पिपरा में स्थित प्राचीन कोटही माता स्थान महाराज बलरामपुर दिग्विजय सिंह के काल के समय से स्थापित है। माता की आराधना बिना शक्ति के पूरी नहीं होती। इसलिए वह जब भी तहसील परिसर में आते थे एक स्थान पर बैठकर माता की आराधना किया करते थे। कालांतर में उसी स्थान पर नीम और पीपल के पौधे एक साथ उग आए जो आज एक विशाल वृक्ष के रूप में मौजूद हैं। राजतंत्र से प्रजातंत्र में समय जब परिवर्तित हुआ तब उसी में जूनियर हाई स्कूल तक उसी प्रांगण में विद्यालय स्थापित किया गया था। लंबे समय तक यह स्थान खुले में रहा। बाद में जनसहयोग से चहारदीवारी बनाकर इसे सुरक्षित परिसर का रूप दिया गया। परिसर के सामने एक छोटी यज्ञशाला है, जहां लोग कथा और हवन इत्यादि का कार्य पूर्ण करवाते हैं। प्रत्येक सोमवार को माता के दर्शन करना श्रद्धालु नहीं भूलते। विवाह के पहले वर और वधू पक्ष के लोग माता के आशीर्वाद लेने के लिए जरूर पहुंचते हैं। आसपास घने वृक्ष की छांव होने के चलते तरह-तरह के पक्षी सुबह शाम कलरव करते रहते हैं। यहां पर माता को चढ़ाए जाने वाले पुष्प परिसर में ही उगाए जाते हैं।

आईएएस वैष्णवी का पंजाबी सभा ने किया सम्मान

संवाददाता-गोंडा। शहर के बहराइच रोड पर मां भगवती मंदिर में नवरात्रि पर पंजाबी सभा की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को शाम भजन कीर्तन के दौरान शहर के व्यापारी की बेटी आईएएस बेटी वैष्णवी पॉल को पंजाबी सभा ने सम्मानित किया। वैष्णवी को तमिलनाडु के मदुरै में तैनाती मिली है।

संस्था की रेखा कालड़ा ने बताया कि नवरात्र में महिलाओं की ओर से माता की महिमा का बखान कीर्तन करके किया जाता है। रेखा ने कहा कि शहर के व्यापारी समाज के बेटी वैष्णवी पाल ने यूपीएससी परीक्षा 2022 में इंडिया रैंक में 62वां स्थान हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। नवरात्र में घर आई बेटी आईएएस वैष्णवी पाल का पंजाबी सभा सेवा समिति ने सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान रूबी चावला, जितेंद्र भाटिया, रमेश अरोड़ा, अश्वनी अदम, अजीत सिंह छाबड़ा, सर्वजीत सिंह छाबड़ा, साक्षी अरोड़ा, मोना भाटिया सहित व्यापारी समाज के अन्य मौजूद रहे।

मनकापुर राजघराने में कुंवर विक्रम सिंह की असामयिक मौत

संवाददाता-गोण्डा। जिले के मनकापुर राजघराने में युवराज की असामयिक मौत की खबर है। कुंवर विक्रम सिंह का शनिवार रात हार्टअटैक से निधन हो गया। कुंवर विक्रम की असामयिक मौत की सूचना पर लोग स्तब्ध रह गए। कुंवर विक्रम गोंडा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के चचेरे भाई थे। अचानक आई इस सूचना से हर कोई मंगल भवन की तरफ दौड़ पड़ा। पूरा मंगल भवन परिसर शोक में डूब गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों सहित अन्य लोगों की भीड़ जुट गई। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने कुंवर विक्रम सिंह को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मनकापुर राजघराने के कुंवर विक्रम सिंह राजा देवेंद्र प्रताप सिंह के पौत्र थे। पूर्व मंत्री आनंद सिंह के रिश्ते में वह भतीजे थे। कुंवर विक्रम सिंह के पिता डॉ. विनय कुमार सिंह मनकापुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष थे। वर्ष 2012 में हुए निकाय चुनाव में कुंवर विक्रम सिंह निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे। यही नहीं, धुसवा चांद सीट से जिला पंचायत सदस्य भी वह चुने गए थे। रविवार की सुबह जब कुंवर विक्रम सिंह सोकर नहीं उठे तो परिवार व राज परिवार के कर्मचारी उन्हें जगाने गए। लेकिन वह बिस्तर पर बेसुध पड़े हुए थे। डॉक्टरों को बुलाया गया। सीएचसी मनकापुर के चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुंवर के निधन का समाचार पाते ही मनकापुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों की भीड़ उनके आवास मंगल भवन पर जुट गई। करीबियों के मुताबिक कुंवर विक्रम स्वस्थ थे। शनिवार की शाम वह भोजन करने के बाद सोने चले गए, लेकिन इसके बाद फिर उठ नहीं सके। उनके निधन का समाचार मिलते ही हर तरफ शोक व्याप्त हो गया। सोशल मीडिया पर भी कुंवर को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

कांग्रेस सरकार ने 2014 के पहले किया था 12 लाख करोड़ का घोटाला -केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता-कुशीनगर। कुशीनगर जिले के पडरौना में रविवार को आयोजित सोशल मीडिया लोकसभा वालंटियर्स सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 के पहले कांग्रेस की सरकार देश में थी। सुपर पीएम के रूप में राहुल गांधी सरकार चला रहे थे। उस दौरान देश भर में 12 लाख करोड़ का वृहद घोटाला हुआ था। उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले अखिलेश यादव की सरकार गुंडों व भू माफिया को बढ़ावा दे रही थी। उस दौरान नारा बोला जाता था, जिस गाड़ी में सपा का झंडा है, उसमें बैठा गुंडा है। मोदी सरकार ने भारत की साख दुनिया भर में बनाई है। सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ देश के हर वर्ग का विकास हो रहा है। मोदी की गारंटी है कि अगले पांच सालों तक गरीब परिवारों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। भाजपा सरकार ने मोदी के नेतृत्व में धारा 370, राम मंदिर का निर्माण के साथ ही समान नागरिक संहिता का प्रावधान रखा है।

आम्बेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा

संवाददाता-बलरामपुर। बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 133वीं जयंती पर जिले भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। डीएम अरविंद सिंह ने कलेक्ट्रेट में गरिमापूर्ण ढंग से मनाई। गोष्ठी का आयोजन कर उनके जीवन आदर्शों के बारे में बताया। विभिन्न संगठनों ने रैली निकालकर बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम अरविंद सिंह ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन आदर्श एवं संघर्ष की प्रेरणा हम सभी को प्रदान करता है। डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने व्यक्तिगत एवं सामाजिक कठिनाइयों से हार न मानते हुए लंदन एवं कोलम्बिया यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को दूर किया। देश के नागरिकों को उनके अधिकारों के रूप में शक्ति प्रदान की। इसी क्रम में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर जन्मोत्सव समिति की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह गौतम ने बाबा साहब ने बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर गीता गौतम, मीना वर्मा, अनीता भास्कर, उर्मिला, राजू सहित तमाम लोग मौजूद थे। उतरौला में भाजपा विधायक राम प्रताप वर्मा, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप चन्द्र गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष ने फक्कड़ बाबा मंदिर चौराहे पर लगी अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और देश की आजादी व संविधान निर्माण में किए गए योगदान की चर्चा की। महराजगंज तराई में भी आम्बेडकर को सबने याद किया। संविधान शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती जिले के स्कूलों में मनाई गई।

चलो री सखी देखी आई बाजत बधाइयां बाजत बधाइयां

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

अयोध्या। चलो री सब देखि आई बाजत बधइया। कौशल्या सुत सुकृत सिंधु से रामचंद्र प्रकटैया। हर्ष हिलोर उमगि दस दिशि में अग-जग मगन करैया। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में उनकी जन्मोत्सव के अवसर पर उमंग और उल्लास का वातावरण चारों ओर छाया हुआ है। अयोध्या के मंदिरों में सुबह नवाह पारायण और शाम को बधाई गीत से गुंजायमान हो उठता है देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु इस आनंद का भाव विभोर होकर के रसपान कर रहे है। प्रभु श्री राम लला के मंदिर परिसर से सटे हुए श्रीराम कोट मोहल्ले में विराजमान प्रसिद्ध पीठ लव कुश मंदिर में महंत राम केवल दास महाराज के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। चैत्र नवरात्र की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से सुबह नवाह परायण और शाम के बधाई गीत गाया जा रहा है जिसको सुनकर लोग मंत्र मुक्त हो रहे हैं।

श्री महाराज जी ने बताया कि श्री लवकुश मंदिर में जन्मोत्सव पर विशेष बधाई गान होता है जिसमें अयोध्या के विभिन्न विभूतियों को आमंत्रित किया जाता है सुबह चैत्र नवरात्र प्रतिपदा से नवाह परायण का पाठ होता है और शाम को प्रतिदिन बधाई गीत होती है और चौत्र रामनवमी को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आनंद कंद मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम लला का जन्मोत्सव मनाया जाता है इस बार रविवार को यह उत्सव मंदिर परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा जिसमें हजारों संत महंत श्रद्धालु भक्तगण अपनी उपस्थिति दर्ज करएंगे। बधाई हो उनके साथ साथ दशरथ महल जानकी घाट मणिराम दास की छावनी राम वल्लभा कुंज सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में सुबह नवाह परायण और शाम को बधाई गीत गाई जाती है 17 अप्रैल को दिन में 12 बजे हर्षोल्लास के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पुजारी ओम् दास और राम दास ने सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

संवाददाता-श्रावस्ती। मुख्य अग्निशमन कार्यालय में रविवार को अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। इस दौरान अधिकारियों समेत सभी कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इसी के साथ ही अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत हुई और जागरूकता रैली भी निकाली गयी। मुख्य अग्निशमन कार्यालय में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव की ओर से परेड का आयोजन किया गया। साथ ही शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। अग्नि सुरक्षा सप्ताह 20 अप्रैल तक चलेगा। जिसमें लोगों को अग्नि सुरक्षा के लिए जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल 1944 में मुंबई बंदरगाह में फोर्टस्टीकेन नामक मालवाहक जहाज जिसमें रुई की गांठे, विस्फोटक व युद्ध उपकरण भरे हुए थे। जिसमें अचानक आग लग गई थी। आग बुझाते समय इस हादसे में 66 अग्निशमन कर्मचारी आग की चपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इन बहादुर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। इसके साथ ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा महिमानाथ उपाध्याय की ओर से कस्बा भिनगा में अग्नि सुरक्षा के लिए जागरूकता रैली निकाली गयी। साथ ही अधिकारी व कर्मचारियों को पिन फ्लैग किया गया। इस मौके पर अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल, लीडिंग फायरमैन राम समुझ यादव, धर्मराज सिंह आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई डा. भीमराव आंबेडकर जयंती

संवाददाता-श्रावस्ती। जिले भर में रविवार को डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। साथ ही उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। वहीं बाबा साहब की प्रतिमा के साथ जुलूस भी निकाला गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम न्यायिक राम दतराम की अध्यक्षता में भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर एडीएम व कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के कृतित्व व व्यक्तित्व पर लोगों को चलना चाहिए। उनके विचारों पर चलने से देश आगे बढ़ेगा। उनका विचार था कि सभी को समान अधिकार मिले और सभी लोग शिक्षित बने। सार्वजनिक जीवन में उन्होंने छुआ छूत व भेदभाव का कड़ा विरोध किया। इस मौके पर उप निदेशक कृषि कमल कटियार, अवधेश कुमार यादव, राजीव कुमार पाठकआदि मौजूद रहे। विकास क्षेत्र जमुनहा के के नसीरपुरवा गांव स्थित अम्बेडकर पार्क में सहजराम गौतम की अध्यक्षता में अम्बेडकर जयंती मनाई गई। इस दौरान बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल माला पहनाकर उन्हें याद किया गया और उनके आदर्शों पर चलने की शपथ ली। अम्बेडकर पार्क से गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाला गया। इस दौरान लोगों ने जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक बाबा साहेब का नाम रहेगा आदि जयकारे भी लगाए। इस मौके पर रामराज, सतगुरु आर्या, सुरेश, मंगरे प्रसाद, जोगीराम गौतम, राम बिलास, पुल्लू गौतम आदि मौजूद रहे। हरदत्त नगर गिरंट सचिवालय में त्रिस्तरीय समिति अध्यक्ष गुड़िया की अध्यक्षता व ग्राम पंचायत विकास अधिकारी राम दर्शन के नेतृत्व में बाबा साहब की जयंती मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिले के सभी बूथों पर बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। शिवालिक महाविद्यालय खरगौर में विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि जयंती पर बाबा साहब अंबेडकर को उनके जनकल्याण के लिए याद किया जाता है। बाबा साहेब एक गरीब परिवार से तालुक रखते थे। बचपन से ही उनको बहुत संघर्ष करना पड़ा। यही वजह थी कि समाज सुधारक बाबा भीमराव अंबेडकर ने जीवन भर कमजोर लोगों के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया और महिलाओं को सशक्त बनाया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सपा ने श्रावस्ती से राम शिरोमणि को बनाया प्रत्याशी 2019 में सपा-बसपा गठबंधन से दर्ज की थी जीत

संवाददाता-श्रावस्ती। समाजवादी पार्टी गठबंधन ने निवर्तमान सांसद राम शिरोमणि वर्मा पर विश्वास जताते हुए उन्हें श्रावस्ती से प्रत्याशी बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने सपा-बसपा गठबंधन से चुनाव लड़कर जीत दर्ज की थी। मूलरूप से अकबरपुर के रहने वाले राम शिरोमणि वर्मा को लोकसभा चुनाव 2019 में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के महागठबंधन का प्रत्याशी बनाया गया था। श्रावस्ती निर्वाचन क्षेत्र से उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के प्रतीक पर चुनाव लड़े और जीत दर्ज की। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा सांसद दद्दन मिश्रा को भारी मतों से पराजित किया था। इस बार समाजवादी गठबंधन ने एक बार फिर से उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। इन पांच सालों में उन्होंने श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र के कटरा में अपना निजी आवास भी बनवा लिया है। चुनाव जीतने के बाद वह राम शिरोमणि वर्मा लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे। हर छोटे-बड़े आयोजनों में उनकी सहभागिता ने लोगों में अपना विश्वास कायम रखा। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी घोषित किया है। गत 23 मार्च को बहुजन समाज पार्टी ने राम शिरोमणि वर्मा और उनके भाई पार्टी नेता राम सुरेश वर्मा को बसपा ने निष्कासित कर दिया है। अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए जिला कमेटी ने यह कार्रवाई की थी।

स्वास्थ्य मेले में चिकित्सक समेत 17 कर्मी मिले अनुपस्थित

संवाददाता-बलरामपुर। जिले के सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को आयुष्मान भव मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 2509 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं दी गई। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सीएचसी गैसड़ी व पचपेड़वा में आयोजित मेले का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सक समेत 17 कर्मी अनुपस्थित पाए गए। सभी का वेतन रोकने का निर्देश उन्होंने दिया है।

स्वास्थ्य मेले में चिकित्सक व कर्मियों के नदारद रहने का सिलसिला रुक नहीं रहा है। सीएमओ के लाख प्रयास के बाद भी चिकित्सक व कर्मियों के कार्यप्रणाली में सुधार नहीं आ रहा है।

यही कारण है कि आयुष्मान भव मेले का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। यह मेला अब जिले में कागजी साबित हो रहा है। सीएमओ के निरीक्षण में शनिवार को गैसड़ी, पचपेड़वा में चिकित्सक डॉ. मेहताब आलम, डॉ. शहंशाह आलम, डॉ. संगीता पांडेय सहित 17 कर्मी अनुपस्थित पाए गए हैं। सीएमओ ने अनुपस्थित मिले सभी चिकित्सक कर्मियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। निरीक्षण के दौरान डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. विजय कुमार, डीएमओ राजेश पांडेय सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

रामराज्य की स्थापना के लिए श्री राम कथा कह रहे हैं -डा वेदांती

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

अयोध्या। राम नगरी परिक्रमा मार्ग स्थित हिंदूधाम में श्री राम मंदिर निर्माण के पहले 16 वर्षों तक निर्माण में आने वाली बढ़ाओं को दूर करने के लिए ब्रह्मर्षि डॉ रामविलास वेदांती महाराज ने भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर श्री राम कथा कही और फैसला आने के बाद भारत में रामराज्य की स्थापना के संकल्प को लेकर श्री राम कथा कह रहे है और अयोध्या के बाद मैहर अमरकंटक और उसके बाद 5 जून से हरिद्वार में कथा होगी। छठवें दिवस की कथा में ब्रह्मर्षि वेदांती जी महाराज ने बताया कि हनुमान जी महाराज ने श्री राम जी की मुदिका माता जानकी को दी और बताया कि मैं प्रभु श्री राम का दूध हूं और प्रभु ने मुझे भेजो है, मुद्रिका की विशेषता बता श्री महाराज जी ने बताया वह मुद्रिका बोलती थी लेकिन फिर भी माता जानकी संदेह दूर नहीं हुआ तब उन्होंने कहा कि मैं कैसे विश्वास कर लू, की श्री राम ने तुम्हें लंका में भेजो है पता लगाने के लिए, तब

हनुमान जी महाराज ने उसे कथा का वर्णन किया जिसको प्रभु श्री राम और सीता के अलावा कोई नहीं जानता था वह कथा थी इंद्र के बेटे जयंत की जो जो कौवा का रूप धर कर माता सीता के पैर में चोंच से घाव किया था। श्री महाराज जी ने बताया कि हनुमान जी महाराज ने श्री राम जी के बताए हुए कई वृतांतों का वर्णन किया जिसको माता सीता के अलावा कोई नहीं जानता था फिर सीता माता का संदेह दूर हुआ, हनुमान जी महाराज ने फल खाने की इच्छा जताई तब माता ने कहा कि पुत्र रक्षा बहुत बलवान हैं और तुम इतने छोटे से हो कैसे उनका सामना करोगे तब हनुमान जी महाराज ने अपने विकराल रूप को दिखाया उसके उपरांत जब माता जानकी को भरोसा हो गया तब उन्होंने फल खाने की अनुमति दी, श्री महाराज जी ने बताया कि हनुमान जी महाराज जिस पेड़ से फल खाते थे उसको तोड़ देते थे क्योंकि वह प्रभुको पहले भोग लगाते थे फिर वह फल प्रसाद हो जाता था और अगर उसे फल को रक्षास खा लेते तो उनको भी प्रसाद का फल मिल जाता यही कारण है कि वह वृक्षों को तोड़ दिया करते थे। विशाल बंदर को देखकर रखवाले लंकेश के दरबार में पहुंचे वहां सेक्षय कुमार आया हनुमान जी महाराज ने उसका वध कर दिया, श्री महाराज जी ने अक्षय कुमार के वध कि कथा विस्तार और कथा के विश्राम बेला पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत श्री महाराज जी के शिष्य श्री राम कथा के संयोजक वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत राघवेश दास वेदांती महाराज ने किया।

राम नवमी को लेकर अयोध्या में सुरक्षा के कड़े प्रबध, भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन तक बनी योजना

संवाददाता–अयोध्या। 500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। इसके बाद यह पहला अवसर है जब अयोध्या में श्रीराम नवमी का पर्व मनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से इसको धूमधाम से वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। माना जा रहा है कि लाखों लोग इस अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में बड़े पैमाने पर यहां सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ–साथ पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन और श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान एवं आंकलन करने के लिए भी योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या धाम में रामनवमी के उपलक्ष्य में 9 अप्रैल से रामनवमी मेला का शुभारंभ हो चुका है जो रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल तक जारी रहने वाला है। यहां 25 लाख श्रद्धालुओं की संभावना है।

रामनवमी मेला के अवसर पर संपूर्ण मेला क्षेत्र को कुल 7 जोन तथा 39 सेक्टर में विभाजित किया गया है। वहीं, यातायात व्यवस्था को 2 जोन तथा 11 क्लस्टर में विभाजित कर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। मेला के दौरान संपूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 11 अपर पुलिस अधीक्षक, 26 पुलिस उपाधीक्षक, 150 निरीक्षक, 400 उप निरीक्षक, 25 महिला उप निरीक्षक, 1305 मुख्य आरक्षीध्आरक्षी, 270 महिला मुख्य आरक्षीध्आरक्षी, 15 कंपनी पीएसी, 2 कंपनी बाढ़ राहत, 1 टीम एसडीआरएफ व 1 टीम एटीएस की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है।

प्रत्येक जोन में पुलिस व्यवस्था के प्रभारी एक अपर पुलिस अधीक्षक तथा प्रत्येक सेक्टर के प्रभारी अधिकारी एक पुलिस उपाधीक्षकधनिरीक्षक बनाए गए हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर व बाह्य संपूर्ण मेला क्षेत्र को 24ग7 ड्यूटी लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। रामपथ पर कुल 15 ड्रॉप डाउन बैरियर लगाकर व 13 होल्डिंग एरिया बनाकर सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। संपूर्ण मेला क्षेत्र में 50 स्थानों पर पीए सिस्टम स्थापित किए गए हैं व विभिन्न स्थानों पर स्थापित 111 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यलो जोन कंट्रोल रूम से निरंतर निगरानी की जा रही है।

पुलिस प्रशासन की ओर से मेले के लिए पुलिस व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस से नयाघाट पुलिस चौथी तक मेला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। श्रद्धालुओं के आने वाले मार्गों मुख्यतः साकेत पेट्रोल पंप से लता चौक होते हुए सरयू घाट से हनुमानगढ़ी एवं हनुमान गढ़ी से कनक भवन व रामलला मंदिर को विभिन्न जोन एवं सेक्टर में विभाजित कर पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सरयू नदी व राम की पैड़ी पर सुरक्षा के लिए जल पुलिस, विभिन्न मंदिरों व मेला क्षेत्र में पुलिस एवं पीएसी बल की व्यवस्था की जाएगी।

अयोध्या धाम में चारों तरफ विभिन्न स्थानों पर 24 एएनपीआर कैमरों के माध्यम से वाहनों एवं श्रद्धालुओं की संख्या का आंकलन एवं प्रोजेक्शन किया जाएगा। गोण्डा सीमा पर लगाए गए कैमरों के माध्यम से वाहनों एवं श्रद्धालुओं के इनफ्लो और आउटफ्लो का एनालिसिस किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अयोध्या धाम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी विभिन्न स्थलों पर भीड़ का आंकलन व विभिन्न ट्रैफिक डायवर्जन की आवश्यकता का आंकलन एवं निर्णय किया जाएगा। अयोध्या धाम क्षेत्र में विभिन्न कंट्रोल रूम में स्थापित कुल 560 कैमरों के माध्यम से श्रद्धालुओं के मूवमेंट को मॉनिटर किया जाएगा। इसके साथ ही 2 टीथर्ड ड्रोन्स एवं 8 एरियल ड्रोन्स के माध्यम से विभिन्न रास्तों, गलियों व पार्किंग का रीयल टाइम एनालिसिस किया जाएगा।

डिवाइडर से टकराकर पुल से नीचे गिरा डंपर, आग में जिंदा जल गया चालक

संवाददाता–गोरखपुर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत सोमवापुर के पास झीनखीनी टोला के पास निर्माणाधीन पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर बने अंडर पास पुल चौनेज नंबर 37 से रविवार भोर लगभग 4 बजे मिट्टी लदा डंपर नीचे गिर गया। गिरते ही डंपर में आग लग गई हादसे में चालक की जलकर मौत हो गई। वाहन भी जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची बेलघाट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। मिट्टी ढुलाई में लगा खजनी थाना क्षेत्र का डंपर मिट्टी लेकर जा रहा था। अंडरपास पुल चौनेज नंबर 37 पर जैसे पहुंचा, डिवाइडर तोड़ते वाहन चालक समेत नीचे गिर गया और आग लग गई। वाहन धू–धू कर जलने लगा। जिसकी जानकारी सुबह मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। जानकारी होते फायर ब्रिगेड के जवान दमकल लेकर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गये। लेकिन तब तक वाहन में लगी आग से चालक की जलकर मौत हो गई थी। घटना के संबंध में शिव प्रकाश सिंह सब इंस्पेक्टर बेलघाट ने बताया कि हादसे में चालक वीरेंद्र सिंह पिता हरिनाथ निवासी सुअरहा थाना बेलघाट की जलकर मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। वाहन मालिक, चालक के परिजनों को एक लाख रुपये तत्काल एवं इंश्योरेंस से मिले धन से 50 हजार देने को कहा है। उप जिलाधिकारी शिवम सिंह एवं सीओ ओमकार दत्त त्रिपाठी घटनास्थल पर पहुंचे। जहां उप जिलाधिकारी ने चालक के नाम भूमि होगी तो कृषि बीमा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

शहीद अग्निशमन कर्मियों को दी श्रद्धांजलि, रैली निकालकर किया जागरूक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में रविवार को अग्निशमन सप्ताह शुरू हुआ। इस मौके पर अग्निशमन, आपात सेवा शाखा ने शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने शहर में रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। लोगों को बचनाव के तरीके बताए।

क्षेत्राधिकारी यातायात व कार्यालय केशवनाथ ने अग्निशमन तथा आपात सेवा शाखा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पिन–फ्लैग लगाया गया क्षेत्राधिकारी ने संदेश पढ़कर सुनाया। अग्निशमन सप्ताह के तहत अग्नि सुरक्षा में जागरूकता अभियान शुरू हुआ। उन्होंने अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस दौरान अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जनता को आग बुझाने के उपकरण व आग बुझाने के बारे में जागरूक किया जाएगा।

भूसा बनाने वाली मशीन से निकली चिंगारी से लगी आग, बीस बीघा गेहूं जला

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के दुधारा थाना क्षेत्र के कोहरियावां सीवान में रविवार की दोपहर भूसा बनाने वाली मशीन से निकली चिंगारी से बीस बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

थाना दुधारा क्षेत्र के गांव कोहरियावां सीवान में रविवार को लगभग 12 बजे भूसा काटने वाली मशीन से भूसा बनाया जा रहा है। इससे निकली चिंगारी से आग पकड़ ली और देखते ही देखते भड़क गई। खेत से धुआं उठते देख ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। सभी लोग मिलकर आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जब तक आग बुझाई जाती तब तक लगभग 20 बीघा फसल जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आकर मोहम्मद इस्माइल, मोहम्मद इसहाक, मोहम्मद अय्यूब, अब्दुल खालिक, हरिनाथ, कोइल, सफीक अहमद, मोहम्मद असलम, मोहम्मद अकरम, अजीजुर्रहमान, हुस्नआरा खातून, सालेहा खातून आदि की तैयार गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

बाल अधिकार पर हुई दो दिवसीय कार्यशाला

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर जेल रोड स्थित एशियन सहयोगी संस्था इण्डिया के तत्वधान में बाल अधिकार पर 12 और 13 अप्रैल को दो दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें महिला व बालकों के लिए कार्य करने वाली थाईलैण्ड से आयी समाजसेविका थेरेस एवं भूतपूर्व जे. जे.बी सदस्य एवं प्रोफेसर डॉ. ओंकार नाथ तिवारी द्वारा बाल अधिकार एवं बाल अधिकारों के कानून और उनकी भूमिका तथा किशोर न्याय (बालकों की देख–रेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के विषय पर कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में एशियन सहयोगी संस्था इण्डिया, प्रतिक्षा आश्रय गृह एवं चाइल्ड लाइन के कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। संस्था की प्रशासनिक निदेशक उषा दास ने बताया कि हम सभी लोग बच्चों पर कार्य करते हैं परन्तु बच्चों को उन बाल अधिकारों से वंचित रखते हैं, जिनसे वे पढ़ व बढ़ सकते हैं। बच्चों को भी अपने अधिकारों के विषय में जानना अति आवश्यक है ताकि उन अधिकारों से वे उन्नति कर सकें।

भगवान के श्रीचरणों की सेवा से धन्य हुआ केवट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गंगाजी का किनारा भक्ति का घाट है और केवट भगवान का परम भक्त है, किंतु वह अपनी भक्ति का प्रदर्शन नहीं करना चाहता था। अतरू वह भगवान से अटपटी वाणी का प्रयोग करता है। केवट ने हठ किया कि आप अपने चरण धुलवाने के लिए मुझे आदेश दे दीजिए, तो मैं आपको पार कर दूंगा केवट ने भगवान से धन–दौलत, पद ऐश्वर्य, कोठी–खजाना नहीं मांगा। उसने भगवान से उनके चरणों का प्रक्षालन मांगा। केवट की नाव से गंगा पार करके भगवान ने केवट को उतराई देने का विचार किया। सीता जी ने अर्धांगिनी स्वरूप को सार्थक करते हुए भगवान की मन की बात समझकर अपनी कर–मुद्रिका उतारकर उन्हें दे दी। भगवान ने उसे केवट को देने का प्रयास किया, किंतु केवट ने उसे न लेते हुए भगवान के चरणों को पकड़ लिया। जो देवताओं के लिए भी दुर्लभ है, ऐसे भगवान के श्रीचरणों की सेवा से केवट धन्य हो गया। भगवान ने उसके निस्वार्थ प्रेम को देखकर उसे दिव्य भक्ति का वरदान दिया तथा उसकी समस्त इच्छाओं को पूर्ण किया।यह सद् विचार कथा व्यास रूद्रनाथ मिश्र ने श्रीराम जानकी मंदिर निपनिया चौराहा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त दसकोलवा में आयोजित 9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा में व्यक्त किया।

–9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा

कथा व्यास अंकित दास ने श्रीराम विवाह, परशुराम प्रसंग और अयोध्या वापसी के अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि मिथिलानरेश के लिये सौभाग्य की बात है श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का विवाह एक ही मण्डप में सम्पन्न हुआ। विदाई का क्षण आया, साक्षात महालक्ष्मी सीता जी जनकपुरी छोड़कर जा रही है, मेरे जाने के बाद इन लोगों का क्या होगा ऐसा सोच माता जी ने अपने आंचल में चावल भरकर चारो ओर बिखेर दिये। आज भी मिथिला में चावल बहुत पकता है। महात्मा जी ने कहा कि परमार्थ में यदि कोई भूल हो जाय तो भगवान शायद क्षमा कर देते हैं किन्तु व्यवहार की छोटी सी भूल भी लोग क्षमा नहीं करते। व्यवहार बड़ा कठोर है। इससे सावधान रहना चाहिये।

यज्ञाचार्य नीरज शास्त्री ने प्राण प्रतिष्ठा वाली मूर्तियों को अन्न, फल, वस्त्र में अधिवास कराकर स्नान कराने के बाद यज्ञ महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। ब्रम्हलीन बाबा महादेव दास की स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान में मुख्य रूप से प्रभात शास्त्री, आशुतोष दास, आदित्यदास, नीरज दास, ऋतिक दास, ओम नरायन, संगम शुक्ल, मुख्य यजमानगण दयाशंकर, राजकुमारी, नागेन्द्र मिश्र , राम सोहरत, शान्ती देवी, कौशल कुमार, कुसुम, सुनील पाण्डेय, मीरा देवी, सुल्ताना बाबा, सरोज मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

रामसमुझ को बसपा ने बांसगांव से बनाया प्रत्याशी

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्व आयकर आयुक्त डॉ. राम समुझ को बहुजन समाज पार्टी ने बांसगांव (सुरक्षित) लोकसभा से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। राम समुझ इससे पहले भाजपा में थे, उन्होंने हाल ही मेंबसपा ज्वाइन किया है। वह इससे पहले बसपा से खजनी विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं।

डॉ. राम समुझ गोला तहसील के गोपलापुर के मूल निवासी हैं। दिसम्बर 2008 में दिल्ली से आयकर आयुक्त से स्वैच्छिक सेवानिवृति लेकर उन्होंने राजनीति में कदम रखा और बीजेपी ज्वाइन किया। 2009 में बांसगांव लोकसभा से पार्टी ने टिकट का भरोसा दिया था पर टिकट नहीं मिला। फिर वे बसपा में चले गए और 2012 में खजनी विधानसभा से बसपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े हालांकि जीत नहीं मिली। 2019 में बसपा ने बांसगांव लोकसभा से प्रत्याशी बनाने का भरोसा दिया था पर सपा–बसपा गठबंधन में वे फिट नहीं बैठे और पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

उसके बाद डा. रामसमुझ ने 2019 में एक बार फिर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। हाल ही में वह बसपा सुप्रीमो मायावती से मिले और उन्हें बांसगांव से टिकट का भरोसा मिला जिसके बाद उन्होंने बसपा ज्वाइन कर ली। अम्बेडकर जयंती के दिन उनके टिकट की घोषणा की गई है। डा. राम समुझ ने बताया कि वह मुद्दों के आधार पर जनता के बीच जाएंगे। कमलेश पासवान को जनता तीन बार से देख रही है। सदल प्रसाद भी विधायक और मंत्री रह चुके हैं। वह जनता से अपने के लिए मौका मांगेंगे। उनका मुख्य मुद्दा भीख नहीं अधिकार होगा। वह मुफ्त राशन के बजाए, मुफ्त शिक्षा जिसमें गरीब का बच्चा भी कानवेंट स्कूल में पढ़ सके इसकी वकालत करते हैं।

किराना की दुकान से गल्ले में रखी रकम व डीबीआर ले गए चोर

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के नगर पंचायत बखिरा स्थित एक किराने की दुकान से चोरों ने शनिवार रात नगदी व डीबीआर चुरा ली। पीड़ित दुकानदार ने घटना की सूचना पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। एएसपी, सीओ व एसओ ने मौके की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुकेश जायसवाल निवासी बखिरा ने बताया कि वे शनिवार रात नौ बजे दुकान बंद करके घर सोने चला गया था। रविवार की सुबह नौ बजे दुकान खोलने पर गल्ले में रखी तीन–चार दिनों की बिक्री की रकम गायब मिली। उसने बताया कि दुकान के पीछे के हिस्से से सीढ़ी के रास्ते लगे दरवाजे को तोड़कर चोर दुकान में घुस गए। दुकान को खंगाल कर चोरों ने घटना को अंजाम दिया। चोर दुकान में लगे सीसी कैमरे का डीबीआर बॉक्स भी चुरा ले गए। मुकेश ने बताया कि दुकान के गल्ले में तीन–चार दिनों की बिक्री की रकम रखी हुई थी। रुपयों की गिनती नहीं कर सके थे। गल्ले के बॉक्स में काफी रकम थी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 202317650303574
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर

मनोरमा आदि
बनाम
परशुराम आदि

1. परशुराम 2. नन्दलाल 3. बुधिराम पुत्रगण राम आसरे साकिनान जमोहरा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला–संतकबीरनगर
–प्रतिवादीगण प्रथमवर्ग
4. ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिए प्रधान जमोहरा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला–संतकबीरनगर –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 202417650201604
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

देवेन्द्र आदि
बनाम
घनश्याम आदि

1. घनश्याम उम्र लगभग 58 साल
2. राकेश उम्र लगभग 45 साल
3. विजयशंकर उम्र लगभग 43 साल
4. संजय कुमार उम्र लगभग 40 साल पुत्रगण दीनानाथ साकिन मौजा गेहूडीहा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. चन्द्रावती उम्र लगभग 65 साल पत्नी दीनानाथ साकिन मौजा गेहूडीहा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. ग्राम पंचायत हटवा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
7. रमेश उम्र लगभग 25 साल
8. विकास कुमार उम्र लगभग 32 साल 9. सूर्यदेव कुमार उम्र लगभग 28 साल पुत्रगण शतीशचन्द्र निवासीगण मौजा गेहूडीहा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 20–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

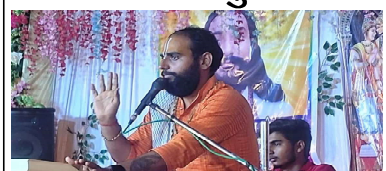

भाजपा सांसद लल्लू सिंह संविधान बदलने की बात कर रहें: वीडियो वायरल हुआ तो बोले– संविधान बदलने नहीं, संशोधन की बात कर रहे थे

संवाददाता–अयोध्या। फैजाबाद सीट से भाजपा सांसद लल्लू सिंह एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लल्लू सिंह विवादित बयान देते नजर आ रहे हैं। हालांकि वीडियो कब का है, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। लोकसभा चुनाव को लेकर इन दिनों सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता जगह–जगह जनसभा और नुक्कड़ सभाएं कर रहे हैं। जनता को संबोधित करने के दौरान ये नेता कई बार कुछ ऐसा बोल जाते हैं जो चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा ही एक मामला यूपी के फैजाबाद जिले से सामने आया है। यहां के भाजपा सांसद लल्लू सिंह का ऐसा ही एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने विवादित बयान दे डाला। हालांकि वीडियो कब का और कहां है इस बात की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में लल्लू सिंह कह रहे हैं कि संविधान में संशोधन करना होगा और बहुत सारे काम करने हैं। लल्लू सिंह बोले, सरकार तो 272 सीटों पर ही बन जाती है, लेकिन संविधान संशोधन करने के लिए दो तिहाई सीटों की जरूरत होती है। लल्लू सिंह के इस बयान का जब वीडियो वायरल हुआ तो विपक्षी पार्टियों ने भी उन्हें घेरते हुए भाजपा पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए सांसद लल्लू सिंह के विवादित बयान का वीडियो अखिलेश ने अपने ट्वीट हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा, पीडीए भाजपा को मिलकर हराएगा क्योंकि भाजपा पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को मिले आरक्षण को, नया संविधान बनाकर खध्त्म करना चाहती है। भाजपा जनता की सेवा या कल्याण के लिए नहीं बल्कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा बनाए संविधान को बदलने के लिए जीतना चाहती है। सदियों से 4–5 प्रतिशत प्रभुत्ववादी सोच के लोग 90–95 प्रतिशत लोगों को अपना गुलाम बनाए रखना चाहते हैं। इसीलिए इस बार पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक मिलकर भाजपा को हराएंगे और संविधान व आरक्षण को बचाएंगे। चुनाव आयोग ऐसे बयानों का तुरंत संज्ञान ले क्योंकि संविधान को मूलभूत रूप से बदलने की बात करने से बड़ा लोकतांत्रिक उल्लंघन और क्या हो सकता है। जनता पूछ रही है हमारे अधिकारों के खात्मे की साजिश क्या आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है?

संविधान संशोधन को लेकर दिए गए सांसद लल्लू सिंह के बयान पर सपा के अलावा कांग्रेस ने भी भाजपा को घेरा। यूपी कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आज पूरा देश संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती मना रहा है और भाजपा संविधान बदलने के तरीके ढूंढ रही है।

डीसीएम की चपेट में आने से मासूम की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी–पचपेड़वा मार्ग पर मड़नी चौराहे पर रविवार को डीसीएम की चपेट में आने से मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही डीसीएम चालक पर केस दर्ज कर वाहन व ड्राइवर को अपने कब्जे में ले लिया।

ढेबरुआ थाना क्षेत्र के मड़नी गांव निवासी मुख्तार (7) पुत्र किताबुल रविवार की सुबह 10रू30 बजे अपने घर से निकल कर रोड से मड़नी चौराहे की तरफ आ रहा था। मड़नी चौराहे के पास पचपेड़वा की तरफ से आ रही डीसीएम ने उसे रौंद दिया। इससे मौके पर ही मासूम की मौत हो गई। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

महिलाओं ने दिया डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य

संवाददाता–गोरखपुर। हिंदू पंचांग के अनुसार चैती छठ के अवसर पर रविवार को व्रती महिलाओं ने पूरे विधि विधान के साथ डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर चौती छठ व्रत का समापन करेंगी। इस पर्व में महिलाएं करीब 36 घंटे तक व्रत रहती हैं। मान्यता है कि चौती छठ का व्रत रहने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है। यह व्रत महिलाएं अपनी संतान की सलामती और उनकी लंबी आयु के लिए रखती हैं। चैत्र मास की नवरात्रि में चौती छठ पड़ता है। इसे चार दिनों तक मनाया जाएगा।

स्वामी रामदेव के समर्थन में उतरे हिन्दू संगठन –किया बुद्धि शुद्धि यज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट समिति बस्ती के नेतृत्व में महिला पतंजलि योग समिति, पतंजलि योग समिति, युवा भारत, किसान सेवा समिति, आर्य समाज और आर्य वीर दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं स्वामी रामदेव का विरोध करने वालों की बुद्धि की शुद्धि के लिए आर्य समाज नई बाजार बस्ती में यज्ञ कर स्वामी रामदेव का समर्थन किया। इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट समिति बस्ती ने बताया कि एक गुरुकुल की शिक्षा प्राप्त व्यक्ति के द्वारा इतना बड़ा व्यापारिक, शैक्षिक और धार्मिक साम्राज्य खड़ा कर भारत को दुनिया के लिए प्रेरक बनाया है। पूरे देश को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। इसके विपरीत जो लोग भ्रामक प्रचार फैला रहे हैं। उनकी बुद्धि शुद्ध हो यही ईश्वर से प्रार्थना है। श्रीमती कामना पाण्डेय जिला प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति बस्ती ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से एक ऐतिहासिक काम किया है। संगठन के योग शिक्षक जिले के प्राइवेट विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड की महत्ता समझाएंगे और उसकी मान्यता दिलाने में सहयोग भी करेंगे। कोषाध्यक्ष नवल किशोर चौधरी ने कहा कि पतंजलि ने पूरे विश्व में भारतवर्ष का परचम लहराने का काम किया है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां उनकी उन्नति से हताश हैं और इसलिए समाज में भ्रामक बातें फैलाकर आमजनमानस को गुमराह किया जा रहा है। संगठन इसका प्रबल विरोध करता है।

आर्य वीर दल के जिला प्रभारी अजीत योगी ने कहा कि आर्य वीर दल स्वामी जी के समर्थन में हमेशा रहेगा।

इस अवसर पर डा प्रवेश कुमार, चंद्रप्रकाश चौधरी, प्रवीण कुमार अग्रवाल, गरुण ध्वज पाण्डेय, ओंकार आर्य, परी कुमारी, राम तनय, राधा देवी, रश्मि गुप्ता, विमला देवी, बबली शर्मा, दुर्गा गुप्ता, कार्तिकेय, दिलीप कुमार, नितीश कुमार, शिव श्याम सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, संतकबीरनगर उ0प्र0
वाद सं0 305/11/2023
थाना–धनघटा
जिला–संतकबीरनगर

ज्ञानमती
बनाम
श्यामू

तारीख पेशी 16–04–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–श्यामू पुत्र स्व0 पूर्णमासी साकिन प्रजापतिपुर थाना धनघटा जिला–संतकबीरनगर
विपक्षी
के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 04 मास के 16 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, संतकबीरनगर उ0प्र0

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, संतकबीरनगर उ0प्र0
वाद सं0 270/11/2023
थाना–महुली
जिला–संतकबीरनगर

कंचन राव
बनाम
अनिरूद्ध

तारीख पेशी 14–05–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–अनिरूद्ध पुत्र हरिचरन साकिन शनिचरा बाबू पो0 नगुआ थाना महुली जिला–संतकबीरनगर
विपक्षी
के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 05 मास के 14 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, संतकबीरनगर उ0प्र0

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com